RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 29 JULY TO 04 AUGUST 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 05 ■ अंक 49 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

यह हमारे खुद के सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करने का वक्त है: आईटी सचिव

Page 2

कोविड- 19 से मुकाबले के लिए भारत को 30 लाख डॉलर देगा एडीबी

Page 3

एनटीपीसी का एक दिन में रिकार्ड 97.707 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन

Page 5

editoria!

बैंकों को बचाना सबसे जरूरी

रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को सीआईआई की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में इकॉनमी के उन पांच कारकों की ओर ध्यान खींचा, जो आने वाले समय में सीन बदल सकते हैं। कृषि, इन्फ्रास्ट्रक्चर, वैकल्पिक ऊर्जा, इन्फॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नॉलजी और स्टार्टअप्स को उन्होंने ऐसे स्पॉट्स के रूप में चिह्नित किया जो मौजूदा चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था को हमारी आकांक्षा की उड़ान से जोड़ने की कूवत रखते हैं। इन संभावनाओं को रेखांकित करते हुए आरबीआई गवर्नर ने इन क्षेत्रों, खासकर कृषि क्षेत्र में प्रस्तावित सुधार का अजेंडा आगे बढ़ाने की जरूरत पर भी जोर दिया। इन बातों की उपयोगिता और उनके द्वारा चिह्नित क्षेत्रों में मौजूद संभावनाओं को भला कौन खारिज कर सकता है, लेकिन असल बात उन एक-दो बड़ी चुनौतियों से निपटने की है, जिसके बगैर बड़ी से बड़ी संभावना भी अभी के माहौल में खुद को साकार नहीं कर पाएगी। कृषि क्षेत्र और इन्फ्रास्ट्रक्चर में कितने और कैसे सुधार की जरूरत है, इस पर आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक भी लगातार बोल रहे हैं, जो बिना किसी अपवाद के हर समस्याग्रस्त अर्थव्यवस्था के सामने ऐसी ही 'रामबाण औषधियां' लेकर उपस्थित होते हैं। लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर सरसरी नजर रखने वाला हर व्यक्ति जानता है कि हमारी बीमारी दूर होने की शुरुआत तभी होगी, जब हम अपने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं को पटरी पर लाने की ओर बढ़ेंगे। पिछले कई सालों से हमारी बैंकिंग प्रणाली को तबाह कर रहे बट्टाखाता कर्जे (एनपीए) कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। कुछ बड़े कारोबारियों का बैंकों से भारी-भरकम कर्ज लेकर विदेश भाग जाना समस्या का छोटा पहलू है। ज्यादा बड़ा मामला दिवालिया घोषित हो चुके या इसके करीब पहुंच रहे बड़े और मझोले उद्यमों का है, जिनसे सारी कोशिशों के बावजूद कर्जे की वसूली सपना ही बनी हुई है। यह समस्या कोरोना काल में और ज्यादा गंभीर इसलिए हो गई है क्योंकि पिछले कुछ महीनों से जारी मोरेटोरियम (कर्ज की किस्तें न जमा करने की छूट) की व्यवस्था के चलते किसी को भनक तक नहीं है कि इस बीच कितना नया एनपीए बैंकों के सिर पर सवार हो गया है। एक बात तो तय है कि लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था की स्थिति पहले से ज्यादा बिगड़ी है। ऐसे में धूर्त और अक्षम कारोबारियों के विपरीत बहुत सारे जेनुइन उद्यमी भी धंधा बिल्कुल न चल पाने के कारण कर्ज वापसी को लेकर हाथ खड़े करने को मजबूर हो सकते हैं। इसके संकेत कई तरफ से मिल रहे हैं। नौकरी चले जाने, कमाई बंद होने, कारोबार बैठ जाने के कारण रोजमर्रा के खर्च के लिए प्रॉविडेंट फंड और बचत योजनाओं से निकाली गई राशि और पैसा निकालने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सोने का भाव रेकॉर्डतोड़ 52000 रुपये प्रति दस ग्राम के पार चले जाना वित्तीय असुरक्षा का दूसरा नमूना है। ऐसे में आरबीआई की पहली प्राथमिकता देश की बैंकिंग व्यवस्था को बचाने की होनी चाहिए, क्योंकि यहां कोई बड़ा संकट शुरू हुआ तो किसी संभावना का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा।

कोरोना संकट के बीच PF का पैसा बना सहारा

चार महीने में 30000 करोड़ निकासी

नई दिल्ली। एजेंसी

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल से जुलाई तक 80 लाख सब्सक्राइबर्स ने EPFO से 30 हजार करोड़ का फंड निकाला है। ईपीएफओ करीब 10 लाख करोड़ का फंड मैनेज करता है और इसके सब्सक्राइबर्स की संख्या करीब 6 करोड़ है। निकासी को लेकर विभाग का कहना है कि इससे चालू वित्त वर्ष में हमारी कमाई पर असर होगा।

बेरोजगारी बढ़ने से निकासी में तेजी

ईपीएफओ अधिकारियों ने बताया कि यह आंकड़ा अप्रैल और जुलाई के तीसरे हफ्ते के बीच का है। सामान्य हालात में इतने कम समय में इतना बड़ा फंड नहीं निकाला जाता है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि लाखों लोगों की नौकरी चली गई या फिर सैलरी में कटौती और मेडिकल खर्च में ये पैसे खर्च हुए हैं।

22 हजार करोड़ केवल मेडिकल खर्च के लिए

रिपोर्ट के मुताबिक 30 लाख सब्सक्राइबर्स ने कोविड विंडो के तहत 8000 करोड़ रुपये की निकासी की है। 50 लाख सब्सक्राइबर्स ने मेडिकल खर्च के लिए 22000 करोड़ रुपये की निकासी की है। अधिकारियों का कहना है कि बहुत जल्द निकासी करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 1 करोड़ तक पहुंच जाएगी।

पिछले वित्त वर्ष में निकाले गए थे 72 हजार करोड़

ईपीएफओ निकासी के पुराने आंकड़े पर गौर करें तो वित्त वर्ष 2019-20 में कुल 72 हजार करोड़ रुपये निकाले गए थे। चालू वित्त वर्ष में केवल चार महीने में 30 हजार करोड़ रुपये निकाले जा चुके हैं।

अभी और निकासी की संभावना

विभाग का कहना है कि कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मामले जैसे-जैसे बढ़ रहे हैं, आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में वर्तमान स्थिति के आधार पर यही लग रहा है कि आने वाले दिनों में ईपीएफओ फंड से और बड़े पैमाने पर और तेजी से निकासी होगी। माना जा रहा है कि आने वाले में निकासी करने वाले सब्सक्राइबर्स की संख्या 10 मिलियन तक पहुंच जाएगी।

फिक्की ने 'अनलॉक' के तीसरे चरण में विदेशी हवाई सेवाओं, सिनेमाघरों, मेट्रो रेल को खोलने का सुझाव दिया

नयी दिल्ली। एजेंसी

उद्योग मंडल फिक्की ने सुझाव दिया है कि 'अनलॉक' के तीसरे चरण में सरकार को मल्टीप्लेक्स और सिनेमा घरों तथा मेट्रो रेल को दोबारा खोलना चाहिए एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवाओं की इजाजत देनी चाहिए। हालांकि, फिक्की ने यह कहा कि ऐसा करने के दौरान सभी सुरक्षा सावधानियों का सख्ती के साथ पालन होना चाहिए। उद्योग मंडल ने स्थानीय हालात को ध्यान में रखते हुए स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को फिर से खोलने का समर्थन भी किया है। इसके अलावा कई अन्य प्रतिबंधों को हटाने का सुझाव भी फिक्की ने दिया है। फिक्की ने सुझाव दिया कि दो देशों के बीच भारतीय और विदेशी विमानन कंपनियों को परिचालन की इजाजत दी जानी चाहिए। इसके साथ ही होटलों में रेस्तरां और भोजनालयों के इस्तेमाल की सिफारिश भी की गई है। फिक्की ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के प्रकोप से निपटने के दौरान यह स्पष्ट हो गया है कि ज्यादातर अर्थव्यवस्थाओं में लंबे समय तक 'लॉकडाउन' नहीं चल सकता है। संगठन ने कहा कि चूंकि देश के कई हिस्सों में लॉकडाउन को लागू किया जा रहा है, ऐसे में बड़ी संख्या में कारोबार और आजीविका प्रभावित हुई हैं। अनलॉक का दूसरा चरण 31 जुलाई को खत्म हो रहा है और देश अनलॉक के तीसरे चरण की तैयारी कर रहा है। फिक्की ने कहा कि अब विमानन, खेल और पर्यटन जैसे क्षेत्रों पर लगाए गए प्रतिबंधों को आसान बनाने पर विचार करने का समय है।

कच्चे तेल की नरमी, घटते आयात से चालू खाते में 0.4 प्रतिशत अधिशेष का अनुमान: रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

कच्चे तेल में नरमी और गिरते आयात से 2003- 04 के बाद पहली बार ऐसी परिस्थिति बनती दिख रही है कि निर्यात बढ़े बिना ही चालू वित्त वर्ष में चालू खाते में जीडीपी के 0.4 प्रतिशत का अधिशेष रह सकता है।यह अनुमान यूबीएस की एक अर्थशास्त्री कहा है जिसने ने रिजर्व बैंक के पहली तिमाही के आंकड़ों के आधार पर पूर्वानुमान किया है।कई तिमाहियों के बाद जून 2020 की तिमाही में चालू खाते में 0.1 प्रतिशत यानी 60 करोड़ डालर का अधिशेष रहा। पिछले साल इसी तिमाही में चालू खाते में 4.6 अरब डालर (जीडीपी के 0.7 प्रतिशत) के बराबर घाटा दर्ज किया गया था। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों में यह कहा गया है। वित्त वर्ष 2019- 20 में चालू खाते का घाटा (कैड) कफी कम हो कर 0.9 प्रतिशत रहा। जबकि इससे पिछले वर्ष 2018- 19 में यह 2.1 प्रतिशत रहा था। रिजर्व बैंक का कहना है कि व्यापार घाटा कम होने की वजह से चालू खाते में अधिशेष की स्थिति बनी है। इस दौरान व्यापार घाटा कम होकर 35 अरब डालर रह गया । इस दौरानाअदृश्य प्राप्तियां तीव्र वृद्धि के साथ यह 35.6 अरब डालर

पर पहुंच गई। तिमाही के दौरान कंपयूटर और यात्रा सेवाओं से शुद्ध प्राप्तियां बढ़ने से सेवा क्षेत्र की शुद्ध प्राप्ति 22 अरब डालर रही। वहीं निजी हस्तांतरण, प्रेषण 14.8 प्रतिशत बढ़कर 20.6 अरब डालर पर पहुंच गया। यूबीएस सिक्युरिटी इंडिया की अर्थशास्त्री तन्वी गुप्ता जैन ने एक नोट में कहा है, "2003- 04 के बाद पहली बार 2020- 21 में चालू खाते में जीडीपी के 0.4 प्रतिशत के बराबर अधिशेष रहने की उम्मीद है .. यह अधिशेष निर्यात बढ़ने के बजाय कमजोर मांग और कच्चे तेल नरमी से आयात खर्च घटने की वजह से होगा।" रिजर्व बैंक के आंकड़े बताते हैं कि इससे पहले 2003- 04 में देश का चालू खाते का अधिशेष 10.6 अरब डालर (जीडीपी का 1.8 प्रतिशत) था। हालांकि, तान्वी का कहना है कि अधिशेष का यह रुझान लंबे समय तक नहीं चल सकता है क्योंकि कच्चे तेल के दाम बढ़ने, घरेलू मांग में होने वाली वृद्धि और निर्यात में होने वाली थोड़ी बहुत वृद्धि से यह रुख पलट सकता है। उन्होंने विदेशों में काम करने वाले भारतीयों द्वारा विदेशों प्राप्त होने वाले मनीआर्डर (प्रेषित धन) में गिरावट को लेकर भी सतर्क किया है। पिछले वित्त वर्ष में भारत को इस स्रोत से 76 अरब डालर मिले थे। यह राशि जीडीपी की 2.7 प्रतिशत थी। लेकिन इस साल इसमें अब तक के रूझान में 25 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

शेयर बाजार मायूस

सेंसेक्स 421 अंक फिसला, 97 अंक टूटा निफ्टी, RIL के शेयर 4 फीसद लुढ़के

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयर बाजार बुधवार को नुकसान के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 421.82 अंकों की गिरावट के साथ 38,071.13 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल रंग के साथ अपने कारोबार की समाप्ति की। आज निफ्टी 97 अंक गिरकर 11202 पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्टॉक में देखने को मिली। RIL का शेयर करीब 4 फीसद टूटकर 2090 रुपये पर बंद हुआ। वहीं इन्फोसिस, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टेक महिन्द्रा गिरावट वाले शेयरों में रहे।

मारुति सुजूकी को घाटा

मारुति सुजूकी ने इस वर्ष अप्रैल-जून की तिमाही में 249.4 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया है। कंपनी की तिमाही शुद्ध बिक्री घट कर 3,677.5 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी दौरान 18,735.2 करोड़ रुपये थी।

बुधवार का हाल

शेयर बाजार की शुरुआत आज कमजोरी के साथ हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 65.80 अंकों की गिरावट के साथ 38,427.15 के स्तर पर खुला। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी लाल रंग के साथ अपने कारोबार की शुरुआत की। कारोबार के शुरुआती दौर में बीएसई सेंसेक्स 114.99 अंक यानी 0.30 प्रतिशत बढ़कर 38,607.94 अंक पर जबकि एनएसई का निफ्टी 32.45 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की बढ़त लेकर 11,333 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स में लाभ दर्ज करने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक में सबसे ज्यादा 4 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, सन फार्मा, लार्सन एण्ड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक के शेयरों में भी बढ़त रही।

मंगलवार का हाल

वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने और शेयरों में लिवाली बढ़ने से बंबई शेयर बाजार (बीएसई) का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स मंगलवार को 558 अंक उछल गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी सूचकांक 11,300 अंक पर पहुंच गया। बीएसई में कारोबार की शुरुआत 38,000 अंक के ऊपर से हुई। गतिविधियां बढ़ने से सेंसेक्स 38,555 अंक से ऊपर निकल गया था। अंततः यह 558 अंक यानी 1.47 प्रतिशत बढ़कर 38,493 अंक पर बंद हुआ। व्यापक आधार वाला निफ्टी 169 अंक यानी 1.52 प्रतिशत बढ़कर 11,300 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में 30 में से केवल पांच शेयर नुकसान में रहे। अमेरिका के शेयर बाजारों में तेजी रहने से एशियाई बाजारों में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड तेल 0.07 प्रतिशत गिरकर 43.87 डालर प्रति बैरल पर रहा।

डामर उत्पाद बनाने के लिये आईओसी, टोटल ने बनाया संयुक्त उद्यम

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटल एसए और देश की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को संयुक्त उद्यम बनाये जाने की घोषणा की। इस संयुक्त उद्यम इकाई में दोनों कंपनियों की बराबर-बराबर हिस्सेदारी होगी और यह देश में सड़क निर्माण उद्योग के लिये डामर के व्युत्पन्न उत्पाद (बिटुमेन डेरिवेटिव्स) और विशेष प्रकार के उत्पाद बनाएगी। दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''संयुक्त उद्यम डामर से बने उत्पाद तथा 'पॉलीमर-मोडिफाइड बिटुमेन', 'क्रम्ब रबड़ मोडिफाइड बिटुमेन', 'बिटुमेन एमल्सन' और अन्य विशेष प्रकार के उत्पादों के विनिर्माण के लिये आईओसी और टोटल के अनुसंधान एवं विकास तथा विपणन क्षमता को साथ लाएगी। संयुक्त कंपनी लागत प्रभावी लॉजिस्टिक समाधान के साथ देश भर में विनिर्माण इकाइयां लगाएगी। टोटल यूरोप में डामर का प्रमुख विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता है। वहीं आईओसी डामर बाजार में सबसे बड़ी कंपनी है। बयान के अनुसार संयुक्त दक्षिण एशिया के अन्य बाजारों में संभावना टटोलेगी। उल्लेखनीय है कि दोनों कंपनियों के पहले से भारत में एलपीजी और पेट्रोल की क्षमता बढ़ाने वाले उत्पादों (फ्यूल एडिटिव) के क्षेत्र में पहले से कारोबारी संबंध हैं। संयुक्त उद्यम कंपनी सड़क बुनियादी ढांचा के विकास से संबद्ध बी2बी ग्रहकों (व्यापारियों के बीच) की जरूरतों को पूरा करेगी।

यह हमारे खुद के सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करने का वक्त है: आईटी सचिव

नयी दिल्ली। एजेंसी

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव अजय प्रकाश साहनी ने शनिवार को कहा कि भारत को अपने खुद के सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करना चाहिए, जिनका न केवल देश में बल्कि वैश्विक बाजारों में भी उपयोग किया जा सके। साहनी ने कहा कि भारत में सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करने की जबरदस्त क्षमता है और स्वास्थ्य सेवा, कृषि, शिक्षा, पर्यावरण आदि के मुद्दों की पहचान करके प्रौद्योगिकी की मदद से उनका समाधान विकसित किया जा सकता है। उन्होंने फिक्की द्वारा आयोजित एक आभासी सम्मेलन में कहा, ''हालांकि, हम आईटी सेवाओं में बेहद मजबूत हैं, लेकिन सॉफ्टवेयर उत्पादों का क्षेत्र ऐसा है, जहां हम दुनिया के सभी

हिस्सों से आने वाले उत्पादों पर निर्भर हैं। ये उत्पाद जहां से भी आएं, हम खुशी से और विश्वास के साथ उनका इस्तेमाल करते हैं। अब वक्त इसे बदलने का है। यह हमारे खुद के सॉफ्टवेयर उत्पादों को विकसित करने का वक्त है। न सिर्फ भारत के लिए, बल्कि वैश्विक बाजारों के लिए भी।'' उन्होंने कहा कि सरकार एक सॉफ्टवेयर उत्पाद नीति लेकर आई है, जो स्वदेशी उत्पादों के विकास पर जोर देती है। साहनी ने कहा, ''आईटी और आईटी सेवाओं में हमारी बढ़त है। दुनिया की लगभग सभी प्रौद्योगिकी कंपनियों की भारत में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। भारतीय डिजाइनरों और इंजीनियरों द्वारा वैश्विक उत्पादों और सेवाओं के लिए जो योगदान दिया जाता है, वह बहुत अधिक है और इसमें बढ़ोतरी हो रही है। अब हम सॉफ्टवेयर उत्पादों की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी ने सभी को एहसास करा दिया है कि भारत में बनने वाले अधिक से अधिक सॉफ्टवेयर उत्पादों की आवश्यकता है।

इरडा ने लोगों से कहा, बीमा पॉलिसी सीधे बीमा कंपनियों या पंजीकृत एजेंट से लें

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बीमा नियामक इरडा ने ठगी और धोखाधड़ी को लेकर लोगों को सोमवार को आगाह किया और लोगों से सीधे बीमा कंपनियों या पंजीकृत मध्यस्थों/एजेंटों से ही बीमा पॉलिसी लेने का सुझाव दिया। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने सार्वजनिक नोटिस में कहा कि आम लोगों/पॉलिसीधारकों को अज्ञात और गलत काम करने वाले तत्वों से कॉल आते रहते हैं। उसमें वे स्वयं को इरडा के अधिकारी या प्रतिनिधि बताते हैं तथा लुभावने पेशकश करते हैं जो बीमा पॉलिसी के दायरे से बाहर होता है। नियामक ने कहा कि वे बीमा लेन-देन विभाग, आरबीआई या किसी अन्य सरकारी एजेंसियों का नाम लेकर लोगों को गुमराह करते हैं। नोटिस के अनुसार, ''वे जो पेशकश करते हैं, उसमें जीवन बीमा पॉलिसी के लाभ वास्तविकता से परे होते हैं। वे उस पॉलिसी में बिना दावा वाले बोनस, एजेंसी के कमीशन, निवेश राशि, वृद्धि रकम आदि को वापस करने आदि की पेशकश करते हैं, जो वैध नहीं रहे। इस पेशकश के एवज में पेश कुछ राशि पहले जमा करने या शुल्क भुगतान के लिये कहते हैं।'' नियामक ने यह स्पष्ट किया कि वह सीधे तौर पर किसी भी बीमा या वित्तीय उत्पादों की बिक्री से जुड़ा नहीं है और न ही वह बीमा कंपनियों को प्राप्त प्रीमियम राशि का निवेश करता है। न ही वह पॉलिसीधारकों या बीमा कंपनियों के लिये बोनस की घोषणा करता है। इरडा ने कहा, ''लोगों को सीधे बीमा कंपनियों या पंजीकृत मध्यस्थों/एजेंटों से ही बीमा पॉलिसी लेने चाहिए या वित्तीय लेन-देन करने चाहिए।'' नियामक ने लोगों से कॉल करने वाले की जांच करने और उसकी पेशकश के बारे में संबंधित बीमा कंपनियों और पंजीकृत मध्यस्थों से जानकारी लेने की सलाह दी।

सोना खरा है कि नहीं बताएगा सरकार का यह ऐप

नई दिल्ली। एजेंसी

उपभोक्ता मामलों के मंत्री रामविलास पासवान ने सोमवार को एक मोबाइल ऐप BIS-Care लॉन्च किया जिसका उपयोग उपभोक्ता, आईएसआई और हॉलमार्क गुणवत्ता प्रमाणित उत्पादों की प्रामाणिकता की जांच के लिए कर सकते हैं। इसे किसी भी एंडॉयड फोन से ऑपरेट किया जा सकता है। उन्होंने साथ ही भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तीन पोर्टल भी लॉन्च किए। बीआईएस देश में मानक निर्धारित करने वाला राष्ट्रीय मानक निकाय है। अब तक, इसने 358 उत्पादों के लिए 20,866 मानक और अनिवार्य मानक निर्धारित किए हैं। आईएसआई मार्क 1955 से भारत में औद्योगिक उत्पादों के लिए एक मानक-अनुपालन का चिह्न है। हॉलमार्क सोने के आभूषणों के लिए गुणवत्ता प्रमाणन है।

आईटीआर में कम आमदनी दिखाने पर 50% जुर्माना देना होगा

नई दिल्ली। एजेंसी

इस बार आयकर रिटर्न दाखिल करते वक्त आपको अधिक सावधानी बरतने की जरूरत है। अगर आपने रिटर्न में अपनी आमदनी कम दिखाई तो छुपाये हुए आय पर 50 फीसदी जुर्माना देना पड़ सकता है। वहीं, अगर टैक्स छूट या कटौती बढ़ा-चढ़ा कर यह गलत जानकारी देने पर 200 फीसदी जुर्माना लग सकता है। आयकर कानून के धारा 270ए के तहत गलत जानकारी देने वाले करदाताओं पर आयकर विभाग टैक्स चोरी का 200% तक जुर्माना लगा सकता है।

फॉर्म-26एएस में भी किया गया है बदलाव

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस बार संशोधित फॉर्म-26एएस जारी किया है। नए फॉर्म में प्रॉपर्टी और शेयर लेनदेन का ब्योरा भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही नए फॉर्म में निश्चित वित्तीय लेनदेन, साल भर किए गए करों के भुगतान, किसी करदाता की ओर से एक वित्त वर्ष में डिमांड-रिफंड से संबंधित लंबित या पूरी हो चुकी प्रक्रिया की सूचना को भी शामिल किया गया है। यानी, सभी बड़े वित्तीय लेनदेन की जानकारी इस फॉर्म में अंकित होगी। करदाता को इसका ब्योरा आयकर रिटर्न में देना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस पहल से भी इस बार कर चोरी पर लगाम लगेगी।

आयकर विभाग से न छुपाये ये जानकारियां

- आय को छिपाना या उसकी गलत व्याख्या करना
- बैंक खाते में किए हुए निवेश का जिक्र नहीं करना
- बिना उपयुक्त सबूत के खर्च का दावा करना
- कुल आमदनी के बारे में किसी एक मद का उल्लेख नहीं करना
- विदेशी या घरेलू ट्रांजेक्शन के बारे में उल्लेख नहीं करना

गलती हो ही जाए तो क्या करें

अगर रिनर्ट भरने में संयोग से गलती हो जाती है तो आप अपने रिटर्न को रिवाइज कर सकते हैं। आयकर विभाग इसकी सुविधा हर करदाता को देता है। यह प्रक्रिया आप आयकर विभाग की वेबसाइट के जरिये ऑनलाइन कर सकते हैं।

कोविड- 19 से मुकाबले के लिए भारत को 30 लाख डॉलर देगा एडीबी

नई दिल्ली। एजेंसी

बहुपक्षीय वित्तपोषण एजेंसी एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बुधवार को कहा कि उसने भारत को कोविड- 19 महामारी का मुकाबला करने के लिए सरकार की आपात पहल का समर्थन करने के तहत 30 लाख डॉलर (करीब 22 करोड़ रुपये) का अनुदान देने को मंजूरी दी है। यह अनुदान एडीबी अपने एशिया प्रशांत आपदा प्रतिक्रिया कोष से उपलब्ध कराएगा। एडीबी द्वारा जारी एक वक्तव्य में कहा गया है कि इस अनुदान राशि का इस्तेमाल कोविड- 19 के खिलाफ भारत की लड़ाई को और मजबूती देने के लिए थर्मल स्केनर और अन्य आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद में किया जायेगा। यह अनुदान जापान सरकार द्वारा वित्तपोषित है। वक्तव्य में कहा गया है, ''यह नया अनुदान एडीबी का भारत सरकार को उसकी कोविड- 19 महामारी पर काबू पाने के लिए जारी मुहिम में दिए जा रहे समर्थन का हिस्सा है। इस समर्थन से बिमारी की निगरानी उसका जल्द पता लगाने, संपर्क की तलाश और इलाज कार्यों का विस्तार किया जा सकेगा। इसके साथ ही अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय भी जारी रहेंगे।

अप्रैल में मिली थी 1.5 अरब डॉलर की मंजूरी

एडीबी ने 28 अप्रैल को भारत के लिए कोविड-19 पर काबू पाने के लिए त्वरित प्रतिक्रिया और व्यय समर्थन केयर्स कार्यक्रम के तहत 1.5 अरब डॉलर की मंजूरी दी थी। यह राशि भारत में गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों, विशेषकर महिलाओं और वंचित समूहों के बीच बीमारी पर नियंत्रण और बचाव, सामाजिक सुरक्षा जैसे त्वरित उपायों में समर्थन देने के लिए मंजूर की गई। केयर्स कार्यक्रम एडीबी के प्रति-चक्रीय समर्थन सुविधा के तहत कोविड-19 महामारी प्रतिक्रिया विकल्प से वित्तपोषित है। इस सुविधा को एडीबी के 20 अरब डॉलर की विस्तारित सहायता के तहत स्थापित किया गया जो कि उसके विकासशील सदस्य देशों के लिए महामारी पर काबू पाने की त्वरित प्रतिक्रियास्वरूप बनाया गया। इसकी घोषणा 13 अप्रैल को की गई।

सैनिटाइजर-मास्क नहीं अब डिवाइस से मरेगा कोरोना वायरस

आसानी से कहीं भी किया जा सकता है फिट

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस की वैक्सीन तैयार करने में पूरी दुनिया लगी हुई है. कोरोना के इलाज में अभी तक कोई कारगर दवा नहीं बनी है. ऐसे में बेंगलुरु की एक कंपनी ने कोविड-19 (COVID-19) को मारने के लिए एक डिवाइस तैयार कर नई उम्मीद जगा दी है। अब कोरोना वायरस को एक डिवाइस से खत्म किया जा सकेगा। स्केलेन हाइपरचार्ज कोरोना कैनन (Shycocan) कोरोनो वायरस के प्रसार को रोकने की क्षमता वाला एक उपकरण है। इस डिवाइस को यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन और यूरोपीय यूनियन से मंजूरी मिली है। इसे बेंगलुरु की एक संस्था डी स्केलेन (De Scalene) ने विकसित किया है।

आसानी से कहीं भी किया जा सकता है फिक्स

Shycocan को एक छोटे ड्रम की तरह बनाया गया है जिसे ऑफिस, स्कूलों, मॉल, होटल, हवाईअड्डों में कीटाणुरहित सतहों के लिए किसी भी क्लोज एरिया में फिट किया जा सकता है। यह कोरोना वायरस में मौजूद स्पाइक-प्रोटीन या एस-प्रोटीन को बेअसर करने में 99.9 प्रतिशत प्रभावी साबित होता है। यह कोरोनोवायरस में मौजूद स्पाइक-प्रोटीन (Spike-Protein) या एस-प्रोटीन (S-protein) को बेअसर करने में 99.9 फीसदी प्रभावी साबित हुआ है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि यह संक्रमित व्यक्ति को ठीक नहीं कर सकता है। यह घातक वायरस के प्रसार को रोकने में अत्यधिक प्रभावी है.

खांसने, छींकने से निकलने वाले वायरस को फौरन मार देता है डिवाइस

डिवाइस एक कमरे या किसी भी इनडोर स्थान पर सैकड़ों इलेक्ट्रॉनों के साथ फैल जाती है। किसी कमरे में इसे लगाने से ये संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने आदि से निकलने वाले वायरस को फौरन मार देता है। इसलिए, भले ही संक्रमित व्यक्ति कमरे में चले ये इलेक्ट्रॉनों छींकते या खांसते समय एरोसोल में मौजूद वायरस की शक्ति को बेअसर कर देगा. यह सतहों पर मौजूद वायरस को भी बेअसर कर सकता है। इस प्रकार हवा या सतह के माध्यम से ट्रांसमिशन को कम कर सकता है। डॉ राजाह विजय कुमार ने कहा कि उन्हें COVID-19 स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए एक प्रवर्तन निर्देश के तहत यूएस एफडीए से मंजूरी मिली है। यूरोपीय संघ के लिए उन्हें Conformite' Europeene या उस अनुरूपता का प्रमाण पत्र मिला है जिसके लिए Shycocan को 26 परीक्षण से गुजरना पड़ा। परीक्षणों में सुरक्षा, प्रभावकारिता, परीक्षण शामिल है जो यह निर्धारित करने के लिए कि क्या डिवाइस का कोई हानिकारक प्रभाव है या यदि यह अन्य उपकरणों के काम में हस्तक्षेप करता है। इसमें यह आकलन करने के लिए परीक्षण भी शामिल थे कि क्या किसी भी स्थान पर तैनात अन्य उपकरण Shycocan के प्रदर्शन में हस्तक्षेप करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, विनिर्माण के लिए अनुमोदन पिछले सप्ताह आया था।

एक अगस्त से होने जा रहे हैं नियमों में कई बदलाव

खत्म हो रही है इन कार्यों की समयसीमा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

अगले महीने यानी अगस्त से कई सारे बदलाव होने जा रहे हैं। ये बदलाव आपको आर्थिक रूप से प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए इनके बारे में आपको पहले से जानकारी होना जरूरी है। एक अगस्त से होने वाले ये बदलाव कुछ समयसीमाओं और कुछ नियमों से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कि एक अगस्त से कौन-कौनसे कार्यों की समयसीमाएं खत्म हो रही हैं और कौनसे नियमों में बदलाव हो रहे हैं।

1. रसोई गैस सिलेंडर की कीमत

रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में एक अगस्त को बदलाव होगा। पिछले दो महीनों से लगातार रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में बढ़ोत्तरी हुई है। अगस्त महीने में ग्राहकों को रसोई गैस सिलेंडर के अधिक पैसे देने होंगे या कम, यह एक अगस्त को ही पता लगेगा, क्योंकि देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव करती हैं।

2. सुकन्या समृद्धि योजना

डाक विभाग ने लॉकडाउन को देखते हुए सुकन्या समृद्धि योजना के ग्राहकों को एक सहूलियत दी थी। डाक विभाग ने 25 जून 2020 से 30 जून 2020 के बीच लॉकडाउन अवधि में 10 साल की आयु पूरी कर चुकी लड़की का एसएसवाई अकाउंट खोलने के लिए 31 जुलाई 2020 तक छूट दी थी। इस योजना में बेटी की 10 साल की आयु के अंदर ही अकाउंट खुलवाना होता है।

3. टैक्स सेविंग निवेश का आखिरी मौका

सीबीडीटी ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए टैक्स सेविंग निवेश करने की आखिरी तारीख को 31 जुलाई तक बढ़ाया था। अगर आपने अभी तक भी आयकर छूट प्राप्त करने के लिए टैक्स सेविंग निवेश योजनाओं में निवेश नहीं किया है, तो 31 जुलाई तक का आपके पास मौका है।

4. आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा

वित्त वर्ष 2018-19 के लिए ऑरिजनल या रिवाइज्ड आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा 31 जुलाई 2020 को समाप्त हो रही है। इसलिए जिसने अभी तय यह आयकर रिटर्न नहीं भरा है, वे समय पर इसे भर दें। साथ ही सरकार ने 13 मई 2020 को एक प्रेस रिलीज जारी कर यह घोषणा की थी कि वित्त वर्ष 2019-20 के लिए आयकर रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा को 31 जुलाई 2020 से बढ़ाकर 30 नवंबर 2020 किया गया है।

5. RBL बैंक के विभिन्न शुल्कों में बदलाव

एक अगस्त 2020 से आरबीएल बैंक के विभिन्न शुल्कों में बदलाव होने जा रहा है। बैंक वेबसाइट के अनुसार, एक अगस्त से खोए हुए या क्षतिग्रस्त डेबिट कार्ड को दोबारा इश्यू करवाने पर 200 रुपये शुल्क लगेगा। वहीं, टाइटेनियम डेबिट कार्ड इश्यू करवाने पर 250 रुपये लगेंगे। इस कार्ड का सालाना शुल्क भी 250 रुपये ही होगा। इसके अलावा एक अगस्त से गैर आरबीएल बैंक एटीएम से मुफ्त लेनदेन की सीमा (वित्तीयहगैर वित्तीय) बदल जाएगी। यह मेट्रो/शहरी क्षेत्र में पांच मुफ्त लेनदेन प्रति माह और अर्द्ध-शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में भी 5 मुफ्त लेनदेन प्रति माह होगी।

6. ई-कॉमर्स कंपनियों के लिए नया नियम

सरकार ने आदेश जारी किया है कि एक अगस्त से सभी ई-कॉमर्स कंपनियों को अपनी वेबसाइट पर बिकने वाले उत्पादों के कंट्री ऑफ ओरिजिन यानी कि उत्पाद किस देश में बना है, इसकी जानकारी देनी होगी।

7. पीएम किसान योजना की दूसरी किस्त

पीएम किसान सम्मान निधी योजना के तहत देश के योग्य किसानों के खातों में 2-2 हजार रुपये की किस्त जमा की जाती है। इस तरह एक साल में कुल 6,000 रुपये जमा कराए जाते हैं। योजना के तहत साल 2020 की पहली किस्त अप्रैल महीने में किसानों के खातों में जमा कराई जा चुकी है। इसके बाद अब योजना के तहत दूसरी किस्त अगस्त महीने में जमा होने की संभावना है। सरकार आने वाले दिनों में इसे लेकर घोषणा कर सकती है।

8. न्यूनतम बैलेंस

एक अगस्त से कई बैंकों में न्यूनतम बैलेंस की सीमा से जुड़े नियम बदलने जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, एक्सिस बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के बैंकिंग नियमों में यह बदलाव होने जा रहा है। इनमें से कुछ बैंक न्यूनतम बैलेंस की सीमा को बढ़ा सकते हैं। बैंक अपने नकदी संतुलन को बढ़ाने और डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के लिए यह बदलाव कर रहे हैं।

चाइनीज फार्मा सेक्टर को गहरा धक्का

भारतीय API मेकर्स की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली। एजेंसी

India-Ra के असोसिएट डायरेक्टर कृष्णनाथ मुंडे का कहना है कि भारत में API बनाने वाली कंपनियों को बेहतर इंवेंट्री मैनेजमेंट का लाभ होता दिख रहा है। उनका जोर कस्टमर्स के साथ बेहतर सप्लाई-चेन सिस्टम पर है। ग्लोबल कस्टमर्स द्वारा खरीद के पैटर्न में भी काफी बदलाव आया है। वे अब चीन के विकल्प की तलाश कर रहे हैं जहां से API की जरूरत के हिसाब से खरीदारी कर सकें।

अभी भी चीन पर बड़ी निर्भरता

भारत की बात करें तो बदलाव की शुरुआत जरूर हुई है, लेकिन अभी भी यहां की फार्मा कंपनियां API के लिए बहुत हद तक चीन पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 70 फीसदी API चीन से आयात करता है। कई महत्वपूर्ण दवाओं के लिए तो वह 90 फीसदी तक API का चीन से आयात करता है।

वॉल्यूम के लिहाज से तीसरे नंबर पर भारत

भारत में फार्मा सेक्टर काफी बड़ा है। वॉल्यूम के लिहाज से यह विश्व में तीसरे नंबर पर आता है। ग्लोबल जेनरिक मेडिसिन डिमांड का यह 20 फीसदी अकेले सप्लाई करता है। वैक्सीन की बात करें तो ग्लोबल वैक्सीन डिमांड सप्लाई में इसकी हिस्सेदारी 62 फीसदी के करीब है।

USFDA से अप्रूव्ड सबसे ज्यादा एपीआई फसिलटी

API इंडस्ट्री की बात करें तो भारत के पास USFDA (US Food and Drug Administration) की तरफ से अप्रूव्ड सबसे ज्यादा एपीआई फसिलटी है। यही वजह है कि भारतीय API इंडस्ट्री के पास यह शानदार मौका है जब वह ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी अहमियत स्थापित कर सके।

API की डिमांड काफी बढ़ी

कोरोना संकट के बीच भारतीय फार्मा कंपनियों को API डिमांड काफी बढ़ गई है। DCGA ने कई कंपनियों को कोरोना ट्रीटमेंट में दवा बनाने की मंजूरी दी है। ये दवाईयां एक्सपेरिमेंटल हैं, लेकिन असर हो रहा है। ऐसे में उन दवाओं को बनाने के लिए जिस API की जरूरत होती है, उसकी डिमांड काफी बढ़ गई है।

लाइसेंस के नवीनीकरण की जरुरत को खत्म करे एफएसएसएआईः व्यापार निकाय

कोलकाता। एजेंसी

कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हुए व्यवधान से राहत मिलता न देख एक व्यापार निकाय ने खाद्य नियामक- एफएसएसएआई से खाद्य व्यापार के लिए लाइसेंस के नवीनीकरण की जरुरत को खत्म करने का आग्रह किया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने 18 जून को एफएसएसएआई लाइसेंस के नवीनीकरण की तारीख को 31 जुलाई तक बढ़ाने की अनुमति दी थी। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया व्यापार मंडल, राष्ट्रीय महासचिव, वीके बंसल ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''एफएसएसएआई लाइसेंस के नवीनीकरण की अंतिम तिथि निकट आ रही है और देश के आधे हिस्से में अभी भी स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा घोषित लॉकडाउन चल रहा है। एफएसएसएआई लाइसेंस के नवीनीकरण का अनुपालन का काम निचले स्तर पर है। ऐसे परिदृश्य में, एक वर्ष के बजाय 3-4 महीने के लिए नवीकरण करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमने एफएसएसएआई से अनुरोध किया है कि चालू वित्तवर्ष में एफएसएसएआइ लाइसेंस के नवीनीकरण की व्यवस्था को खत्म करें।

'हवाई यात्रा क्षेत्र में 2024 से पहले सुधार के संकेत नहीं'

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)। एजेंसी

वैश्विक स्तर पर हवाई यात्रा क्षेत्र धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रहा है लेकिन इसके 2024 से पहले कोविड-19 संकट से पहले के स्तर पर पहुंचने के आसार नहीं लगते। विमानन कंपनियों के वैश्विक संगठन 'इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन' (आईएटीए) ने मंगलवार को यह बात कही।अमेरिका और अन्य विकासशील देशों के कोरोना वायरस संक्रमण रोकथाम की धीमी गति को देखते हुए आईएटीए ने कोविड से पूर्व की स्थिति बहाल होने के अनुमानित समय को एक साल बढ़ा दिया है। पहले उसने 2023 तक हवाई यात्रा क्षेत्र के कोविड-19 से पहले के स्तर तक पहुंचने का अनुमान जताया था। आईएटीए के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन पीयर्स ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अप्रैल में यातायात बंद होने से यह उद्योग बैठ गया था। यह उद्योग फिर से चालू होता दिख रहा है लेकिन बुरी बात है कि इसमें किसी भी तरह का सुधार बमुश्किल ही दिख रहा है।

सरकार ने फेस शील्ड, सर्जिकल मास्क, मेडिकल चश्मों के निर्यात नियमों में दी राहत

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को फेस शील्ड, कुछ किस्म के सर्जिकल मास्क और मेडिकल चश्मों के निर्यात के नियमों में राहत दी, जिनकी कोरोना वायरस महामारी के कारण काफी मांग है। सरकार ने फेस शील्ड के निर्यात को पूरी तरह मुक्त कर दिया है, कुछ शर्तों के साथ 2/3 परत वाले सर्जिकल मास्क और मेडिकल चश्मों के निर्यात की अनुमति दी है। इससे पहले कोरोना वायरस महामारी के चलते 2/3 परत वाले सर्जिकल मास्क, मेडिकल चश्मों और फेस शील्ड के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया गया था। इन मास्क और चश्मों के निर्यात को प्रतिबंधित श्रेणी से निकालकर अवरोधित श्रेणी में शामिल कर दिया गया है,

यानी इन वस्तुओं के निर्यात के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) से अनुमति लेनी होगी। डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में कहा गया है, ''2/3 परत वाले सर्जिकल मास्क, मेडिकल चश्मों की निर्यात नीति को प्रतिबंधित श्रेणी से अवरोधित श्रेणी में ला दिया गया है और फेस शील्ड के निर्यात को मुक्त श्रेणी में ला दिया है।'' अधिसूचना में कहा गया है कि 2/3 परत वाले सर्जिकल मास्क के लिए मासिक निर्यात का कोटा चार करोड़ इकाई तय किया गया है। इसी तरह मेडिकल चश्मों के लिए प्रति माह 20 लाख इकाई का कोटा तय किया गया है। इन उत्पादों की कोविड-19 महामारी के कारण भारी मांग हैं।

मारुति को 17 साल में पहली बार हुआ घाटा

पहली तिमाही में 268 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया (एमएसआई) ने बुधवार को कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 268.3 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। पिछले 17 साल में पहली बार कंपनी को किसी तिमाही में घाटा हुआ है। इस दौरान कारोना वायरस महमारी की रोकथाम के लिए लगाये गये 'लॉकडाउन' के चलते कंपनी के कामकाज पर बुरा असर पड़ा।एमएसआई के वक्तव्य में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2019-2020 की इसी तिमाही में उसे 1,376.8 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज हुआ था। कंपनी जुलाई 2003 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई थी। उसके बाद पहली बार उसे किसी तिमाही में घाटे का सामना करना पड़ा है। कंपनी ने कहा कि अप्रैल- जून 2020 तिमाही में उसकी कुल बिक्री 3,677.5 करोड़ रूपये रही जो कि एक साल पहले की इसी तिमाही में 18,735.2 करोड़ रुपये रही थी।

आलोच्य तिमाही में एकल आधार पर कंपनी को पहली तिमाही में 249.4 करोड़

रुपये का शुद्ध घाटा हुआ है। जो कि एक साल पहले इसी तिमाही में 1,435.5 करोड़ रुपये रहा था। वित्त वर्ष की इस पहली तिमाही में कंपनी ने कुल 76,599 वाहनों की बिक्री की। इसमें से 67,027 वाहन घरेलू बाजार में बेचे गये जबकि 9,572 कारों का निर्यात किया गया। वहीं पिछले साल इसी तिमाही की यदि बात की जाये तो कंपनी ने कुल 4,02,594 वाहन बेचे थे। कंपनी ने कहा, "वैश्विक महामारी कोविड- 19 के चलते कंपनी के इतिहास की यह अप्रत्याशित तिमाही रही।

सरकार द्वारा लागू 'लॉकडाउन' का पालन करते हुये इस तिमाही के बड़े हिस्से में कंपनी के कारखानों में न तो कोई उत्पादन हुआ और न ही कोई बिक्री हुई।" उसने कहा कि मई में मामूली स्तर पर उत्पादन और बिक्री का काम शुरू हो पाया। कंपनी ने कहा कि उसकी पहली प्राथमिकता उसके कर्मचारियों, उसके ग्राहकों सहित समूची मूल्य श्रृंखला में उसके सहयोगियों की स्वास्थ्य, सुरक्षा और बेहतरी है। कंपनी ने कहा है कि पूरी सावधानी के साथ तैयार किये गये सुरक्षा नवाचार के साथ शुरू हुआ उत्पादन कार्य पूरी तिमाही में मुश्किल से नियमित कामकाज के दो सप्ताह के ही बराबर हो सका। उसके तिमाही परिणाम को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिये।

एनटीपीसी का एक दिन में रिकार्ड 97.707 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन

नयी दिल्ली। एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने 28 जुलाई को दैनिक आधार पर अब तक का सर्वाधिक सकल 97.707 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन किया।कंपनी ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। उसने कहा कि इसमें एनटीपीसी की अनुषंगी और संयुक्त उद्यम कंपनियों का बिजली उत्पादन शामिल है।एनटीपीसी ने कहा कि उसके पांच बिजलीघरों... कोरबा, सीपत और लारा (छत्तीसगढ़), तालचर कनिहा (ओड़िशा) और हिमाचल प्रदेश में कोलडैम पनबिजली ने 28 जुलाई मंगलवार को शानदार प्रदर्शन किया है और इनका 100 प्रतिशत 'प्लांट लोड फैक्टर' (क्षमता के अनुपात में बिजली उत्पादन) रहा। इससे पहले, एनटीपीसी का दैनिक रिकार्ड बिजली उत्पादन 12 मार्च 2019 को 93.546 करोड़ यूनिट दर्ज किया गया था। एनटीपीसी समूह की कुल उत्पादन क्षमता 62,910 मेगावाट है। समूह के 70 बिजलीघर हैं, जिसमें 24 कोयला आधारित, सात गैस/तरलीकृत ईंधन आधारित, एक पनबिजली, 13 नवीकरणीय ऊर्जा तथा 25 अनुषंगी एवं संयुक्त उद्यम बिजलीघर हैं।

स्वर्णाभूषण विक्रेताओं की अनिवार्य हॉलमार्किंग समयसीमा को एक साल आगे बढ़ाने की मांग

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने वाले आदेश की समयसीमा को आगे बढ़ाने के सरकार के निर्णय का आभूषण उद्योग ने हालांकि स्वागत किया है लेकिन उनका मानना है कि सरकार को समयसीमा को कम से कम एक साल आगे बढ़ाना चाहिये था ताकि मौजूदा आभूषण के स्टॉक को समाप्त किया जा सके। कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव को देखते हुये सरकार ने सोमवार को सोने के आभूषणों में अनिवार्य हॉलमार्किंग आदेश को लागू करने की समयसीमा को करीब चार महीने आगे बढ़ाकर एक जून 2021 कर दिया। हालांकि, आभूषण विनिर्माता एवं विक्रेता उद्योग इससे संतुष्ट नहीं है और वह इस अवधि को जनवरी 2022 तक बढ़ाये जाने की मांग कर रहा है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन अनंत पद्मनाभन ने पीटीआई- भाषा से कहा, "हम स्वर्णाभूषणों और शिल्पकृतियों की अनिवार्य रूप से हॉलमार्किंग करने की समयसीमा को बढ़ाने के सरकार के फैसला का स्वागत करते हैं, लेकिन हमने इस समयसीमा को एक साल बढ़ाने का आग्रह किया था। इस समय बिक्री काफी कम है, जब तक हम पुराने स्टॉक को निकाल नहीं देते हैं उसके स्थान पर हॉलमाकिंग वाला स्टाक नहीं आ पायेगा।" इसमें समय लगेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न आभूषण विक्रेताओं की संस्था के साथ मिलकर संगठन इन चिंताओं को बताते हुये एक और ज्ञापन सरकार को देगा। सरकार ने सोने के आभूषणों में अनिवार्य हॉलमाकिंग लागू करने की समयसीमा को 15 जनवरी 2021 से बढ़ाकर एक जून 2021 कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय आभूषण विक्रेताओं के आग्रह पर लिया गया है। उन्होंने कहा, अगले साल एक जून से आभूषण विक्रेताओं को केवल 14, 18 और 22 कैरेट सोने के आभूषण बेचने की ही अनुमति होगी। वर्तमान में सोने की हालमार्किंग एक तरह से उसकी शुद्धता का प्रमाणन है और यह स्वैच्छिक है। केन्द्र सरकार ने पिछले साल नवंबर में सोने के आभूषणों और शिल्पकृतियों के लिये 15 जनवरी 2021 से हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर दिये जाने की घोषणा की थी।

नयी क्रेटा के लिए हुंदै को मिली 55,000 बुकिंग

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) को हाल में पेश क्रेटा के नए संस्करण के लिए अब तक 55,000 से अधिक बुकिंग मिल चुकी हैं। एचएमआईएल के निदेशक (बिक्री, विपणन एवं सेवा) तरुण गर्ग ने कहा, "हमने क्रेटा मॉडल 2015 में उतारा था। उस समय से यह घर-घर की पहचान बन चुका है। उद्योग के लिए यह वाहन एक बेंचमार्क है। अब तक हम क्रेटा की 4.85 लाख इकाइयां बेच चुके है।" कंपनी ने नयी क्रेटा मार्च में पेश की थी। उन्होंने कहा कि इससे एसयूवी खंड में हम अपनी अग्रणी स्थिति को और मजबूत कर पाए हैं। सिर्फ चार माह में हमें इस मॉडल के लिए 55,000 से अधिक बुकिंग मिली हैं। अब तक हम इस मॉडल की 20,000 इकाइयां बेच चुके हैं।गर्ग ने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में यह एक बड़ी उपलब्धि है। एचएमआईएल ने बयान में कहा कि मई और जून 2020 में क्रेटा सबसे अधिक बिकने वाली एसयूवी गाड़ी रही है। गर्ग ने कहा कि क्रेटा की बुकिंग में डीजल संस्करण का अच्छा योगदान है। कुल बुकिंग में 60 प्रतिशत डीजल संस्करण के लिए हैं। यह कंपनी की भारत चरण-छह प्रौद्योगिकी के प्रति मजबूत मांग को दर्शाता है।

इस बार राशि अनुसार कैसे मनाएं राखी

इस बार रक्षा बंधन के दिन राशि अनुसार बहनें अपने भाई की कलाई पर क्या बांधें और किस मिठाई से मुंह मीठा करवाएं।।-

मेष राशि के भाई को मालपुए खिलाएं एवं लाल डोरी से निर्मित राखी बांधें।

वृषभ राशि के भाई को दूध से निर्मित मिठाई खिलाएं एवं सफेद रेशमी डोरी वाली राखी बांधें।

मिथुन राशि के भाई को बेसन से निर्मित मिठाई खिलाएं एवं हरी डोरी वाली राखी बांधें।

कर्क राशि के भाई को रबड़ी खिलाएं एवं पीली रेशम वाली राखी बांधें।

सिंह राशि के भाई को रस वाली मिठाई खिलाएं एवं पंचरंगी डोरे वाली राखी बांधें।

कन्या राशि के भाई को मोतीचूर के लड्डू खिलाएं एवं गणेशजी के प्रतीक वाली राखी बांधें।

तुला राशि के भाई को हलवा या घर में निर्मित मिठाई खिलाएं एवं रेशमी हल्के पीले डोरे वाली राखी बांधें।

वृश्चिक राशि के भाई को गुड़ से बनी मिठाई खिलाएं एवं गुलाबी डोरे वाली राखी बांधें।

धनु राशि के भाई को रसगुल्ले खिलाएं एवं पीली व सफेद डोरी से बनी राखी बांधें।

मकर राशि के भाई को बालूशाही खिलाएं एवं मिलेजुले धागे वाली राखी बांधें।

कुंभ राशि के भाई को कलाकंद खिलाएं एवं नीले रंग से सजी राखी बांधें।

मीन राशि के भाई को मिल्ककेक खिलाएं एवं पीले-नीले जरी की राखी बांधें।

क्यों है महत्वपूर्ण सावन का अंतिम सोमवार

श्रावण मास में सोमवार को व्रत रखने का बहुत महत्व है। सावन का अंतिम सोमवार 3 अगस्त को हो। इस दिन लगभग सभी लोग उपवास रखेंगे। आओ जानते हैं कि इस बार का अंतिम सोमवार क्यों है महत्वपूर्ण।

1. इस बार श्रावण मास में 4 नहीं पांच सोमवार है। सावन मास का पहला सोमवार 6 जुलाई को था। दूसरा 13 जुलाई को, तीसरा 20 जुलाई को, चौथा 27 जुलाई को और पांचवां 3 अगस्त को है। सावन के अंतिम सोमवार को विशेष पूजा का विधान रहता है।

2. अगस्त को पूर्णिमा की तिथि है। इस दिन चंद्रमा मकर राशि में विराजमान रहेंगे। इस दिन प्रीति योग है. जो सुबह 6 बजकर 40 मिनट तक रहेगा इसके बाद आयुष्मान योग का निर्माण होगा।

3. श्रावण का अंतिम सोमवार इस बार पूर्णिमा के दिन होगा। पूर्णिमा के देवता चंद्रदेव और सोमवार के देवता भगवान शिव हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण संयोग है। पूर्णिमा के देवता चंद्रमा है। यह सौम्या तिथि हैं। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्?य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है।

4. इस बार सोमवार पूर्णिमा के दिन ही रक्षा बंधन का त्योहार भी है। अतः यह भी एक महत्वपूर्ण संयोग है। रक्षा बंधन पर श्रावण सोमवार का अंतिम सोमवार रहेगा। यह संयोग बहुत ही दुर्लभ होता है। अतः इस दिन व्रत रख कर रक्षा बंधन मनाने का कई गुना लाभ है। रक्षा बंधन का त्योहार पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है।

5. सावन के 5 सोमवार शिव के 5 मुख के प्रतीक माने गए हैं। शिवजी का पांचवां मुख

सद्योजात, वामदेव, तत्पुरुष, अघोर और ईशान हुए और प्रत्येक मुख में तीन-तीन नेत्र बन गए। तभी से वे 'पंचानन' या 'पंचवक्त्र' कहलाने लगे। अंतिम सोमवार के दिन भगवान शिव के इन पंचमुख के अवतार की कथा पढ़ने और सुनने का बहुत माहात्म्य है। यह प्रसंग मनुष्य के अंदर शिव-भक्ति जाग्रत करने के साथ उसकी समस्त मनोकामनाओं को पूरी कर परम गति देने वाला है।

6. इस महत्वपूर्ण दिन पितृ-तर्पण और ऋषि-पूजन या ऋषि तर्पण भी किया जाता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद और सहयोग मिलता है जिससे जीवन के हर संकट समाप्त हो जाते हैं।

7. मान्यता है कि अंतिम सोमवार को भगवान शिव और माता पार्वती पृथ्वी का भ्रमण करते हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद प्रदान करते हैं। अतः इस दिन रुद्राभिषेक करके रुद्राष्टक और लिंगाष्टक का पाठ करना चाहिए।

राखी पर किए जाते हैं ये 10 उपाय

दरिद्रता हो जाती है दूर

रक्षा बंधन का त्योहार भाद्रपद की पूर्णिमा को आता है। बहुत से लोग इस दिन राखी बांधने के अलावा घर से दरिद्रता मिटाने और संकट को समाप्त करने के सरल उपाय भी करते हैं। आओ ऐसे ही कुछ 10 उपाय जानते हैं।

1. रक्षा बंधन का त्योहार पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है पूर्णिमा के देवता चंद्रमा है। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है। यह सौम्या तिथि हैं।
2. इस बार रक्षा बंधन सोमवार को आ रहा है और सोमवार के देवता शिव और चंद्रमा दोनों ही है अतः ऐसे में दोनों की पूजा करने से घर में शांति और समृद्धि का वास होता है।
3. रक्षा बंधन पर श्रावण सोमवार का अंतिम सोमवार रहेगा। यह संयोग बहुत ही दुर्लभ होता है। अतः इस दिन व्रत रख कर रक्षा बंधन मनाने का कई गुना लाभ है।
4. कहते हैं कि रक्षा बंधन पर हनुमानजी को राखी बांधने से वे भाई बहनों के क्रोध को शांत करके उनमें आपसी प्रेम को बढ़ा देते हैं।
5. आपको यदि ये लगता है कि मेरे भाई को किसी की नजर लग गई है तो आप इस दिन फिटकरी को अपने भाई के उपर से सात बार वार कर उसे किसी चौराहे पर फेंक आएं या चूल्हे की आग में जला दें। इससे नजर दोष दूर हो जाएगा।
6. यह भी कहा जाता है कि इस दिन गणेशजी की पूजा करने से भाई-बहन के रिश्ते में प्यार बढ़ जाता है।
7. इस दिन बहन को हर तरह से खुश रखने और उसे उसका मनपसंद उपहार देने से भाई के जीवन में भी गई खुशियां लौट आती हैं।
9. दरिद्रता दूर करने के लिए अपनी बहन के हाथ से गुलाबी कपड़े में अक्षत, सुपारी और एक रुपए का सिक्का ले लें। इसके बाद अपनी बहन को वस्त्र और मिठाई उपहार और रुपये दें और चरण छूकर उसका आशीर्वाद लें। दिए गए गुलाबी कपड़े में लिया गया सामान बांधकर उचित स्थान पर रखने इसे घर की दरिद्रता दूर हो जाएगी।
10. एक दिन एकाशना करने के उपरांत रक्षाबंधन वाले दिन शास्त्रीय विधि-विधान से राखी बांधते हैं। फिर साथ ही वे पितृ-तर्पण और ऋषि-पूजन या ऋषि तर्पण भी किया जाता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद और सहयोग मिलता है जिससे जीवन के हर संकट समाप्त हो जाते हैं।

राखी के तिलक पर चावल क्यों चिपकाते हैं...

क्यों लगाए जाते हैं तिलक पर चावल

चावल लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शास्त्रों के अनुसार, चावल को हविष्य यानी हवन में देवताओं को चढ़ाया जाने वाला शुद्ध अन्न माना जाता है। कच्चे चावल का तिलक में प्रयोग सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला होता है। चावल से हमारे आसपास की नकारात्मक ऊर्जा सकारात्मक ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। भाई-बहन का पवित्र पर्व रक्षा बंधन मंगलमयी हो और इस पर्व को मनाते समय कोई भूल-चूक न हो, इसके लिए हमें कुछ पारंपरिक बातों का ध्यान रखना चाहिए। तिलक पर चावल लगाने के संदर्भ में मान्यता यह है कि चावल अत्यंत शुद्ध और शुभ अनाज है...अगर पूजा में भी कोई वस्तु कम रह जाए तो प्रतीकात्मक रुप से उस वस्तु के स्थान पर चावल रख दिए जाते हैं.... भाई को लगने वाला तिलक हर दृष्टि से शुभ हो,हर शुभ भावनाएं और तरंगे उसके लिए सौभाग्य लेकर आए इसलिए तिलक पर चावल लगाने का रिवाज है।

जानिए राखी बांधने का सबसे अच्छा शुभ मुहूर्त

राखी बांधने का मुहूर्त : 09:27:30 से 21:11:21 तक
अवधि : 11 घंटे 43 मिनट
रक्षाबंधन अपराह्न मुहूर्त : 13:45:16 से 16:23:16 तक
रक्षाबंधन प्रदोष मुहूर्त : 19:01:15 से 21:11:21 तक

शुभ समय-
6:00 से 7:30 तक, 9:00 से 10:30 तक,
3:31 से 6:41 तक
राहुकाल- प्रातः 7:30 से 9:00 बजे तक (राहुकाल में राखी न बांधें)

सोना 7 दिन में 3248 तो चांदी 10385 रुपये उछली

नई दिल्ली। एजेंसी

पिछले 7 कारोबारी दिन में सोने के हाजिर भाव में 3248 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल आया है। वहीं मंगलवार को छोड़कर हर दिन उछलने वाली चांदी 10385 रुपये किलो उछली है। मंगलवार 28 जुलाई को देश भर के सर्राफा बाजारों में सोने की औसत कीमत 52465 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जबकि 20 जुलाई को देशभर के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 49217 रुपये पर बंद हुआ था। अगर चांदी की बात करें तो इन सात दिनों में चांदी हाजिर 10385 रुपये प्रति किलोग्राम उछल कर 52188 रुपये से 62730 रुपये प्रति किलो पर जा पहुंची है।

क्यों बढ़ रहा सोने-चांदी के दाम

वैश्विक अर्थव्यवस्था में चीन को लेकर बढ़ता तनावः कोरोना संकट के बाद चीन से दुनिया भर के देशों के रिश्ते बिगड़े हैं। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार, व्यापार सहित कई मोर्चों पर तनाव बढ़ गया है। कोरोना वायरस से निपटने और चीन द्वारा हांगकांग के लिए एक सख्त नया सुरक्षा कानून थोपन की वजह से अमेरिका और चीन में एक नए शीत युद्ध की शुरुआत हो चुकी है।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट से निवेशक डरे

कोरोना संकट की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था पटरी से उतर गई है। दुनियाभर के शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल है। कई देशों को कोविड-19 संक्रमण के सेकेंड वेब की आशंका ने दोबारा लॉकडाउन करने पर मजबूर होना पड़ा। इसका असर शेयर बाजारों पर पड़ रहा है। इस उथल-पुथल भरे माहौल में निवेशक इक्विटी के बजाय सोने-चांदी को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं।

रियल एस्टेट सेक्टर लंबे समय से सुस्ती की चपेट में

रियल एस्टेट भी पस्त पड़ा है। इस दौर निवेशकों के लिए सबसे सुरक्षित सोना ही नजर आ रहा है। निवेशकों का रुझान गोल्ड, गोल्ड ईटीएफ और बॉन्ड की तरफ बढ़ा है। यही वजह है कि सोने के रेट बढ़ते जा रहे हैं।

दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में कमजोरी

वहीं डॉलर सूचकांक गिरकर अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे सोना अन्य देशों के लिए सस्ता हो गया है, जिससे इसकी खरीददारी तेज हो गई है। इसका असर भी दोनों धातुओं की कीमतों पर पड़ रहा है। वहीं डॉलर सूचकांक गिरकर अपने प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले कई साल के निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे सोना अन्य देशों के लिए सस्ता हो गया है, जिससे इसकी खरीददारी तेज हो गई है। भारत में इस साल अब तक सोने की कीमतों में 30इ से अधिक की वृद्धि हुई है। विश्लेषकों का कहना है कि औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद से चांदी बढ़ी है।

दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी

शेयर बाजार में गिरावट और अर्थव्यवस्था में संकट के दौर में तमाम फंड मैनेजर पोर्टफोलियो में सोने की हिस्सेदारी बढ़ाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि सोना सेफ हैवन इन्वेस्टमेंट यानी सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। केंद्रीय बैंक, फंड मैनेजर्स, स्वतंत्र निवेशक आदि ये सभी लोग पूरी दुनिया में अलग अलग एक्सचेंज पर सोने की खरीदारी कर रहे हैं । सोने के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी रिकॉर्ड उंचाई पर है ।

महंगाई की मार

आलू ने लगाई हाफ सेंचुरी, टमाटर शतक के करीब

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में अब आलू भी आंखें दिखाने लगा है। लोगों को पिछले साल रुलाने वाला प्याज आज खुद रहा है पर टमाटर महंगा होकर और लाल हो रहा है। आलू जहां 50 रुपये किलो तक पहुंच गया है तो वहीं कई जगहों पर टमाटर अस्सी रुपये किलो बिक रहा है। देश के कई हिस्सों में बाढ़ और बारिश की वजह से जहां हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं वहीं रही सही कसर डीजल की महंगाई और कई शहरों में फिर से लॉकडाउन ने पूरी कर दी है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को आलू की कीमत 20 से 50 रुपये के बीच रही। वहीं प्याज 20 से 40 और टमाटर 50 रुपये से लेकर 80 रुपये किलो तक बिका। खुदरा बाजार में अगर इन जरूरी सब्जियों के मॉडल मूल्य की बात करें तो आलू 30 रुपये किलो, प्याज 20 और टमाटर 50 रुपये किलो है। विभिन्न केन्द्रों पर किसी वस्तु की कीमतों में अंतर आंशिक रूप से उसकी किस्म में अंतर होने के कारण है। ट्रांसपोर्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि लॉकडाउन के बाद छोटे ट्रक ऑपरेटर परेशान हैं। देशभर में 90 लाख छोटे-बड़े ट्रक हैं, इसमें से 60 फीसदी बुकिंग नहीं मिलने के कारण खड़े हो गए हैं। ऑल इंडिया मोटर कांग्रेस के अध्यक्ष कुलतार अटवाल ने हिंदुस्तान को बताया कि ट्रक ऑपरेशन की कीमत 20 फीसदी तक बढ़ी है। इससे माल भाड़े में वृद्धि हो रही है। भाड़े में बढ़ोतरी होने पर जनता को मंहगाई की मार पड़ रही है।

टाटा स्टील का पहला कबाड़ आधारित इस्पात कारखाना जल्द होगा चालू

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

टाटा समूह की कंपनी टाटा स्टील ने मंगलवार को कहा कि उसका देश में कबाड़ वाले कच्चे माल पर आधारित पहला इस्पात कारखाना हरियाणा के रोहतक में स्थापित हो रहा है और यह जल्द ही चालू हो जायेगा। टाटा स्टील ने एक वक्तव्य में कहा है कि यह कारखाना आरती ग्रीन टेक लिमिटेड के साथ मिलकर लगाया जा रहा है और इसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता पांच लाख टन होगी। टाटा स्टील के स्टील रिसाइक्लिंग बिजनेस प्रमुख योगेश बेदी ने कहा, ईएएफ तरीके से इस्पात की रिसाइक्लिंग आज पूरी दुनिया में हो रही है और आने वाले दिनों में यह भारत की सतत् आर्थिक वृद्धि के लिये महत्वपूर्ण साबित होगी। वक्तव्य में कहा गया है कि टाटा स्टील 1907 में इसकी स्थापना के समय से ही इस्पात उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में आगे रही है और अब चक्राकार अर्थव्यवस्था और बेहतर कल के लिये इस्पात का पुनर्चक्रण कारोबार कंपनी की तरफ से एक और नई पहल है।

रिजर्व बैंक का श्रीलंका के साथ 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली का समझौता

मुंबई। एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक ने श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के साथ 40 करोड़ डॉलर की मुद्रा अदला-बदली समझौता किया हे। रिजर्व बैंक ने सोमवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के मुताबिक श्रीलंका का केंद्रीय बैंक आरबीआई से डॉलर, यूरो या भारतीय रुपये में कई चरणों में मुद्रा की अदला-बदली कर सकता है। यह समझौता दक्षेस मुद्रा अदला-बदली व्यवस्था के तहत किया गया है। यह समझौता 13 नवंबर 2022 तक मान्य रहेगा।

60 फीसदी बढ़ी चाय की कीमत

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

असम में बाढ़ का असर चाय पर भी पड़ने लगा है। राज्य में चाय की थोक कीमत में 60 फीसदी तेजी आई है। इसकी खुदरा कीमत भी 20 फीसदी बढ़ गई है। जानकारों का कहना है कि नवरात्रि तक चाय की कीमत में और बढ़ोतरी हो सकती है। मांग कम होने के कारण चाय की दुकानें और कैफे अभी दाम बढ़ाने से परहेज कर रहे हैं लेकिन देर-सबेर उन्हें ऐसा करना ही पड़ सकता है। गुजरात टी एसोसिएशन के प्रेजिडेंट दिनेश कारिया ने कहा कि असम में चाय बागान मार्च में बंद हो गए थे जब लॉकडाउन की घोषणा हुई थी। उन्होंने कहा, 'चाय की पत्तियां तोड़ने या कंसाइनमेंट ले जाने के लिए कोई था ही नहीं। टी स्टॉक की डिलीवरी अगर मार्च-जून के बीच तय समय पर न हो तो उसकी क्वालिटी खराब होने लगती है। लॉकडाउन की बंदिशों के कारण चाय बागानों में महिला कर्मचारी उपलब्ध नहीं थीं, जो मुख्य रूप से चाय की पत्तियां तोड़ती हैं। बाढ़ ने चाय उद्योग की दिक्कतें और बढ़ा दी हैं।'

कीमतों में 60-70 फीसदी इजाफा

पिछले 55 साल से चाय कारोबार से जुड़ी फैमिली के मनोज अनादकट ने कहा, 'चाय की नीलामी 15 मार्च के आसपास शुरू होती है। चाय बागान 15 दिसंबर तक तीन महीने के लिए बंद हो जाते हैं ताकि नई फसल तैयार हो सके। इस साल सिलिगुड़ी में गार्डन टी वेरायटी के दाम 159 रुपये से उछलकर 241 रुपये हो गए। चाय की कई और किस्मों के दामों में भी बढ़ोतरी हुई है। कुल मिलाकर चाय की कीमत 60 से 70 फीसदी बढ़ी है।' उन्होंने कहा कि चाय के क्वालिटी चेक करने के लिए भी इस बार वह व्यक्तिगत तौर पर नहीं जा सके और वहां से जो तस्वीरें भेजी गई थी, उनसे ही काम चलाना पड़ा। उन्होंने कहा कि इस साल चाय के उत्पादन में 20 फीसदी कमी आई है।

बिग इवो.इन उभरते हुए संगीतकारों के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म है

आज पूरा विश्व डिजिटल हो चुका है। वो दिन गुजर गए जब गायक या लेखक बनने के शौक़ीन लाइन में लगकर अपना हुनर आजमाते थे। आज हम अपने फ़ोन या कम्प्यूटर के जरिये वर्चुअल से असली संसार में जाते हैं क्योंकि बाहर की दुनिया बहुत ही डरावनी हो गई है। इसलिए घरों में सीमित लोगों के मन पर संगीत का मधुर मलहम लगाने का ये बिलकुल सही समय है। हिंदी फिल्मों के संगीतकार, गायक और म्यूजिक प्रोड्यूसर ईश्वर कुमार इस पैनडेमिक से घबराये नहीं बल्कि इससे उनका नई प्रतिभाओं को एक अवसर देने का निश्चय और भी दृढ़ हो गया। इसीलिए ईश्वर कुमार ने अपने यू ट्यूब चैनल पर बिग आइवो.इन (www.bigivo.in) लांच किया है, जहां हर शुक्रवार को एक नया गायक या गीतकार लांच होता है। यहां बिना किसी प्रकार की परेशानी के नई उभरती हुई संगीत प्रतिभा को अपनी कला दिखने का अवसर मिलता है। ईश्वर कुमार के इस चैनल को कुछ ही समय में 5000 से भी अधिक सब्सक्राइबर मिल चुके हैं। 'ये सभी गाने मधुर संगीत और सुंदर आवाज से सजे हुए हैं और दिल को छू लेने वाले हैं। बहुत जल्दी ये सावन, स्पॉटीफाई, अमेज़न म्यूजिक,हंगामा जैसे डिजिटल प्लेटफार्म पर भी नजर आएंगे।' 31 जुलाई 2020 ईश्वर अपना अगला गाना और विडिओ 'आओ तो सही' रिलीज़ करेंगे जो उनके अपने प्लेटफार्म के अलावा बाकी के डिजिटल प्लेटफार्म पर भी सुनाई देगा। उसके बाद वंदे मातरम 15 अगस्त को लांच होगा। 'मुझे पता है कि एक नए बंदे को बॉलीवुड या संगीत के क्षेत्र में कितना लड़ना पड़ता है और इस समय डिप्रेशन का होना बहुत ही सामान्य सी बात है। हर किसी को मेरी तरह परिवार का साथ और सहयोग नहीं मिलता। ये प्लेटफार्म बिग आइवो (www.bigivo.in) मैने ऐसे प्रतिभाशाली लोगों को एक मौका देने के लिए बनाया है। पिछले हफ्ते हमने 'दिल जानिया' गाना लौंच किया था जिसे यू ट्यूब पर 2 लाख से भी ज्यादा लोगों ने देखा और स्पॉटीफाई के नए हिंदी के टॉप 10 गानों की लिस्ट में आ गया था,' ईश्वर ने बताया। ईश्वर के साथ सारे नए गायक जैसे परवीन चौहान, केउन गौर, हिमानी जैसे नाम हैं और गीतकार विकास दुबे, प्रीती अरोरा,कौशल किशोर व आनंद जैसे नाम हैं। यही नहीं पुराने गायक जैसे सोनू कक्कड़, सारदोई बोरह, साचेत टंडन वगैरह भी इस प्लेटफार्म पर अपने गाने निकालते हैं।

भारत में डेटा चोरी से कंपनियों को औसतन 14 करोड़ का नुकसानः आईबीएम

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में अगस्त 2019 से लेकर अप्रैल 2020 के बीच विभिन्न संगठनों के डेटा में सेंध लगने से उन्हें औसतन 14 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। आईबीएम की बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आंकड़ों की चोरी अथवा उनमें सेंध लगाने के जितने भी हमले हुये हैं उनमें से 53 प्रतिशत दुर्भावना के साथ किए गए। वहीं सिस्टम में होने वाली गड़बड़ियों का इसमें 26 प्रतिशत और 21 प्रतिशत मानव गलती का योगदान रहा है।

83 दिन में लग पाता है चोरी पर अंकुश

रिपोर्ट के अनुसार, ''वर्ष 2020 के अध्ययन में डेटा सेंध के मामलों में औसतन लागत 14 करोड़ रुपये रही है। यह 2019 की लागत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत अधिक है। 2020 के अध्ययन में प्रत्येक नुकसान अथवा चोरी रिकार्ड की 5,522 रुपये लागत रही, यह 2019 के मुकाबले 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक डेटा चोरी की पहचान करने का औसत समय 221 दिन से बढ़कर 230 दिन और इसे नियंत्रित करने का औसत समय 77 से बढ़कर 83 दिन हो गया। आईबीएम इंडिया एवं दक्षिण एशिया के साफ्टवेयर सुरक्षा लीडर प्रशांत भटकल ने एक वक्तव्य में कहा, ''भारत में साइबर-अपराध के तौर तरीकों में बदलाव देखा जा रहा है। यह अब पूरी तरह से संगठित और गठबंधन बनाकर हो रहा है कि भारत में नकल अथवा धोखे में डालकर, सोशल इंजीनिरिंग के जरिये कई तरह से हमले किये जा रहे हैं।

12.8 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत

डेटा में सेंध लगाने की घटनाओं से भारतीय कंपनियों को 2019 में 12.8 करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत भी वहन करनी पड़ी। भटकल ने कहा है कि कंपनियां साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक हुई हैं और इसके समाधान की महत्ता को समझती हैं, लेकिन हमें पिछले साल के मुकाबले डेटा चोरी अथवा इसमें सेंध लगाने के मामले में लागत 9.4 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है। इसके साथ ही जिन्होंने सुरक्षा आटोमेशन की व्यवस्था की है वह सेंध के मामलों का उनके मुकाबले, जिनकी कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं है 27 प्रतिशत तेजी के साथ पता लगाकर उसे नियंत्रित कर सकेंगे।

आ गया राफेल!

अंबाला एयरबेस में उतरा पहला बैच

नई दिल्ली। चीन के साथ विवाद के बीच राफेल लड़ाकू विमानों के आने से भारत की ताकत में इजाफा माना जा रहा है। फ्रांस से भारत के लिए रवाना हुई राफेल लड़ाकू विमान की पहली खेप अंबाला एयरबेस पर पहुंच गई है। विमानों के अंबाला एयरबेस पर पहुंचने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विमान अंबाला में सुरक्षित तरीके से उतर गए हैं। राफेल लड़ाकू विमानों का भारत में आना हमारे सैन्य इतिहास में नए युग की शुरूआत है। इन बहुआयामी विमानों से वायुसेना की क्षमताओं के क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। इससे पहले, जब राफेल विमान के पहले बैच ने भारतीय वायुसीमा में प्रवेश किया तो उनकी सुरक्षा में दो SU30 MKI विमान आसमान में पहुंच गए थे। रक्षा मंत्री कार्यालय की ओर से इसका वीडियो जारी किया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पांच राफेल फाइटर जेट के साथ दो SU30 MKI विमान भी चल रहे हैं। फ्रांस की कंपनी दसॉल्ट एविएशन (Dassault Aviation) की उत्पादन इकाई से राफेल विमानों ने सोमवार को टेक ऑफ किया था। ये विमान लगभग 7,000 किलोमीटर की दूरी तय कर अंबाला पहुंचे हैं। इन विमानों में तीन एक सीट वाले और दो विमान दो सीट वाले हैं। राफेल लडाकू विमान एयरफोर्स के 17 वें स्क्वाड्रन का हिस्सा होगा. इस स्क्वाड्रन का नाम Golden Arrows है। अम्बाला में राफेल के आने पर स्वागत समारोह में मीडिया को इजाजत नहीं दी गयी है। भारतीय वायु सेना फिलहाल अपने पायलट और सहयोगी स्टाफ को मीडिया से दूर रखना चाहता है. बताया जा रहा है कि राफेल विमानों को भारतीय वायुसेना में औपचारिक रूप से अगस्त में शामिल किया जाएगा। एहतियात बरतते हुए अंबाला एयरबेस के आस-पास के इलाकों में धारा 144 लागू किया गया है और राफेल के लैंडिंग के दौरान लोगों को छतों पर एकत्र होने से रोका गया है।

कोरोना की जेनेरिक दवा फेविपिराविर की कीमत 59 रुपये प्रति गोली

हैदराबाद। एजेंसी

हेटेरो समूह का हिस्सा हेटेरो लैब्स ने बुधवार को कोविड- 19 के इलाज में काम आने वाली फेविपिराविर जेनेरिक दवा पेश की है। इसे 'फेविविर ब्रांड नाम के तहत बाजार में उतारा गया है। शहर स्थिति इस दवा कंपनी की जारी विज्ञप्ति में कहा गया है हेटेरो को भारत के दवा महा नियंत्रक (डीसीजीआई) से फेविपिराविर के विनिर्माण और विपणन की मंजूरी मिल गई है। हेटेरो की कोविड- 19 के इलाज में इस्तेमाल होने वाली 'कोविफोर (रेम्डेसिविर) के बाद फेविविर दूसरी दवा है जिसे कंपनी ने तैयार किया है। यह वायरल रोधी दवा है, जिसके चिकित्सकीय परिणाम सकारात्मक रहे हैं। हेटेरो की इस जेनेरिक दवा फेविविर की एक गोली का दाम 59 रुपये है और हेटेरो हेल्थकेयर लिमिटेड इसका वितरण और विपणन कर रही है। कंपनी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह दवा 29 जुलाई से देश की सभी खुदरा दवा दुकानों और अस्पतालों के दवा केन्द्रों पर उपलब्ध होगी। दवा की बिक्री केवल डाक्टर की पर्ची के आधार पर होगी। इस दवा का उत्पादन कंपनी की विश्वस्तरीय फार्मूलेशन सुविधा वाली फैक्टरी में किया जा रहा है, जिसे विभिन्न देशों के साथ ही अमेरिका की यूएसएफडीए और यूरोपीय संघ के संबंधित दवा प्राधिकरणों की अनुमति प्राप्त है।

मॉडर्ना की कोरोना वैक्सीन ने वायरस रोका बंदरों में डोज का गजब असर दिखा

वशिंगटन। एजेंसी

कोरोना वायरस कहर के बीच वैक्सीन को लेकर एक बार फिर से बड़ी उम्मीद जगी है। कोरोना वायरस को लेकर मॉडर्ना की वैक्सीन बंदरों पर हुए ट्रायल में पूरी तरह से कारगर साबित हुई है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन में कहा गया है कि अमेरिका की बायोटेक फर्म मॉडर्ना की कोविड-19 वैक्सीन ने बंदरों पर हुए ट्रायल में एक मजबूत इम्यून रिस्पॉन्स विकसित किया है। साथ ही यह कोविड-19 वैक्सीन बंदरों की नाक और फेफड़ों में कोरोना वायरस को अपनी कॉपी बनाने से रोकने में भी सफल रही।

स्टडी के मुताबिक, वैक्सीन ने वायरस को बंदर के नाक में कॉपी करने से रोका और यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण इसलिए भी है क्योंकि इससे संक्रमण का दूसरों तक फैलना रुक जाता है। यहां यह ध्यान देने वाली बात है कि जब ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन का बंदरों पर ट्रायल हुआ था, तब ठीक इसी तरह के परिणाम सामने नहीं आए थे। हालांकि, उस वैक्सीन ने वायरस को जानवरों के फेफड़ों में प्रवेश करने और उन्हें बहुत बीमार होने से रोक दिया था।

समाचार एजेंसी एएफपी के मुताबिक, मॉडर्ना एनिमल स्टडी में 8 बंदरों के तीन समूहों को या तो वैक्सीन दी गई या फिर प्लेसीबो। जिसकी डोज थी, 10 माइक्रोग्राम और 100 माइक्रोग्राम। जिन बंदरों को वैक्सीनेट किया गया, उन्होंने वायरस को मारने वाले हाइल लेवल के एंटीबॉडी का निर्माण किया जो कोशिकाओं पर आक्रमण के उपयोग के लिए सार्स-कोव-2 वायरस के एक हिस्से पर हमला करते हैं। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि दोनों डोज वाले बंदरों में ऐंटीबॉडीज का लेवल कोविड-19 से रिकवर हो चुके इंसानों में मौजूद ऐंटीबॉडी से भी अधिक था।

इस स्टडी के ऑथर्स ने बताया कि टीके ने टी-कोशिकाओं (टी-सेल) के रूप में जानी जाने वाली एक अलग प्रतिरक्षा कोशिका (इम्यून सेल) के उत्पादन को भी प्रेरित किया है, जिससे ओवरऑल रिस्पॉन्स को बढ़ावा देने में मदद हो सकती है। हालांकि, यहां चिंता की बात यह है कि अंडर ट्रायल यह वैक्सीन वास्तव में रोग को दबाने के बजाय उल्टा असर भी कर सकती है। अगर स्टडी की बात करें तो वैज्ञानिकों ने बंदरों को वैक्सीन का दूसरा इंजेक्शन देने के चार हफ्ते बाद उन्हें कोविड-19 वायरस के संपर्क में लाया गया। बंदरों में नाक और ट्यूब के माध्यम से सीधे फेफड़ों तक कोरोना का वायरस पहुंचाया गया। कम और अधिक डोज वाले आठ-आठ बंदरों के ग्रुप में सात-सात के फेफड़ों में दो दिन बाद कोई रेप्लिकेटिंग वायरस नहीं था। हालांकि, जिन बंदरों को प्लेसीबो वाला डोज दिया गया था, उन सबमें वायरस मौजूद था।

रेलवेः पिछले साल 50 हजार करोड़ का फायदा, इस साल 35000 करोड़ नुकसान का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी

रेलवे का अनुमान है कि पैसेंजर ट्रेनों का संचालन बंद होने के कारण चालू वित्त वर्ष में उसे 35000 करोड़ का भारी नुकसान हो सकता है। वर्तमान में 230 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों में ऑक्युपेंसी 75 फीसदी के करीब है। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन विनोद कुमार ने कहा कि मालगाड़ी से होने वाली कमाई से रेलवे का काम चल रहा है।

विनोद कुमार ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में रेलवे की पैसेंजर ट्रेनों से कमाई करीब 50 हजार करोड़ रुपये थी। इस साल क्या होगा इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि स्टेट लेवल और लोकल लेवल पर लगाए जा रहे लॉकडाउन के कारण स्थिति ज्यादा नाजुक है।

मालगाड़ी सेक्शन में फायदा

दूसरी तरफ रेलवे को मालगाड़ी सेगमेंट में फायदा होता दिख रहा है। यादव ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस सेगमेंट का रेवेन्यू 50 फीसदी ज्यादा रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि अगर हमें नुकसान से बचना है तो पैसेंजर सेक्शन से होने वाले नुकसान को इससे पूरा करना होगा। इस साल पैसेंजर सेक्शन का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले 10-15 फीसदी तक होगा। 30-35 हजार करोड़ का नुकसान मालगाड़ी से होने वाली कमाई के साथ अजस्ट करना होगा।

अनुमान को घटाया

बजट में रेलवे ने अनुमान लगाया था कि मालगाड़ी से उसकी कमाई 1.47 लाख करोड़ होगी और पैसेंजर ट्रेन से उसकी कमाई 61 हजार करोड़ रुपये होगी। हालांकि लॉकडाउन के कारण रेलवे ने अपने अनुमान को अपडेट किया है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।